CBSE Class 09
Hindi B
Sample Paper 8 (2019-20)

Maximum Marks: 80
Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
- दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
- तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
- पॉच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

Section A

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
   संविधान लागू होने के पंद्रह वर्षों में हिन्दी को अंग्रेज़ी का स्थान ग्रहण करना था, पर ऐसा प्रतीत होता है कि राष्ट्रभाषा के विकास के लिए सरकार और जनता द्वारा जो प्रयत्न किए गए हैं वे किसी प्रकार से भी संतोषजनक नहीं हैं। कुछ नए विभागों के हिन्दी में नाम रख देने से या विश्वविद्यालयों की परीक्षाओं में हिन्दी में उत्तर देने की सुविधा से राष्ट्रभाषा हिन्दी का विकास नहीं हो सकता। आज भी हिन्दी में पत्र लिखते हुए जब हम पता लिखने बैठते हैं तो ज़रा सोच में पड़ जाते हैं कि पत्र भटकता तो नहीं रहेगा। अनेक सरकारी अथवा सार्वजनिक स्थानों पर राष्ट्रभाषा का अशुद्ध प्रयोग देखते हैं। हिन्दी का खालिस प्रयोग तो अत्यन्त दुर्लभ है। हिन्दी अध्यापकों के भी छात्रों को पढ़ाते हुए अनावश्यक स्थानों पर अंग्रेजी का प्रयोग करते देखा गया है।

   i. राष्ट्रभाषा का अशुद्ध प्रयोग कहाँ-कहाँ देखने को मिलता है? (2)
   ii. राष्ट्रभाषा के विकास की प्रक्रिया में हम किसे संतोषजनक नहीं मान सकते? (2)
   iii. हिन्दी में पत्र पर पता लिखते समय हम किस सोच में पड़ जाते हैं? (2)
   iv. हिंदी को कब तक अंग्रेजी का स्थान ग्रहण करना था? (2)
   v. 'अत्यंत' शब्द में संधि-विच्छेद करिये। (1)

vi. भारत का संविधान कब लागू हुआ था? (1)

Section B

2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए-

   i. संतुलन
   ii. कविता

3. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार या अनुनासिक का प्रयोग कीजिए-

   i. भण्डार
   ii. सम्वाद
   iii. गूगा
   iv. काच

4. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिये-
   गिरफ्तार, रोज

5. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्यय व मूल शब्द को अलग-अलग कीजिए-

   i. लिपिक
   ii. सुहावना
   iii. घुमक्कड़

6. I. निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए-
      i. स्व + इच्छा
      ii. पूर्व + उक्त
   II. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए-
      i. तथैव
      ii. सम्भाषण

7. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर सही विराम चिह्न लगाइए-

   i. भरत दशरथ के पुत्र तपस्वी थे
   ii. इस बालक पर यह कहावत लागू होती है होनहार बिरवान के होत चीकने पात
   iii. सुबह सुबह कौवा काँव काँव करने लगा।

Section C

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

a. खरबूज़े बेचने वाली बुढ़िया को रोते देखकर लेखक चाहकर भी क्या न कर सका?

b. उफ, तुम कब जाओगे, अतिथि? इस प्रश्न के द्वारा लेखक ने पाठकों को क्या सोचने पर विवश किया है?

c. पंजाब में फौजी शासन ने क्या कहर बरसाया? 'शुक्र तारे के समान' पाठ के आधार पर लिखिए।

d. कीचड़ का काव्य पाठ में वर्णित सुबह का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

9. यहाँ बुद्धि का परदा डालकर पहले ईश्वर और आत्मा का स्थान अपने लिए लेना फिर धर्म, ईमान, ईश्वर और आत्मा के नाम पर अपनी स्वार्थ-सिद्धि के लिए लोगों को लड़ाना, भिड़ाना। धर्म की आड़ पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

OR

एवरेस्ट जैसे महान अभियान में खतरों को और कभी-कभी तो मृत्यु को भी आदमी को सहज भाव से स्वीकार करनी चाहिए। आशय स्पष्ट कीजिए।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

a. 'रहिमन निज मन की बिथा, मन ही राखो गोय' कवि रहीम ने क्यों कहा है?

b. आदमी नामा कविता के अनुसार आदमी किन स्थितियों में पीर बन जाता है?

c. एक फूल की चाह कविता में भक्तों द्वारा सुखिया के पिता के साथ किए गए इस व्यवहार को आप किस तरह देखते हैं?

d. नए इलाके में कविता में कवि को पुराने निशान धोखा क्यों दे जाते हैं?

11. अग्निपथ कविता में अश्रु-स्वेद-रक्त से लथपथ मनुष्य के जीवन के जीवन को एक महान दृश्य बताकर हमें क्या सन्देश दिया गया है?

OR

कवि ने अपनी तुलना ईश्वर से किस रूप में की है? रैदास के पद के आधार पर लिखिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

a. अस्वस्थ लेखिका को ध्यान गिल्लू किस तरह रखता था? इस कार्य से गिल्लू की कौन सी विशेषता का पता चलता है?

b. साम्प्रदायिक दंगों का प्रभाव समाज के किस वर्ग को सबसे अधिक प्रभावित करता हैं? यह भी स्पष्ट कीजिए कि इस प्रकार के दंगों को रोकने के लिए आप क्या उपाय करेंगे?

c. 'मैं चलता हूँ अब आपकी बारी है' सरदार पटेल के इस कथन का 'दिए जल उठे' पाठ के सन्दर्भ में आशय स्पष्ट

कीजिए।

Section D

13. **वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे** विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

OR

खेलकूद का छात्र-जीवन में महत्व विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

14. आपके विद्यालय में सफाई अभियान चलाया गया जिसमें आपने भी श्रमदान किया। आस-पास के क्षेत्रों की खूब सफाई की गई तथा लोगों को सफाई के महत्त्व के बारे में बताया गया। इन सभी गतिविधियों का वर्णन करते हुए अपनी बड़ी बहन को पत्र लिखिए।

OR

बनावट-श्रृंगार में समय व्यतीत न करने की हिदायत देते हुए छोटी बहन को पत्र लिखिए।

15. दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग 20-30 शब्दों में प्रत्युक्त कीजिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से ही सम्बद्ध होना चाहिए।

OR

दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग 20-30 शब्दों में प्रस्तुत कीजिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से ही सम्बंधित होना चाहिए।

16. विकास के मॉडल-हाईवे, मॉल, मल्टीप्लेक्स विषय पर शिक्षक और छात्र के बीच परस्पर संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।

OR

बढ़ते जल प्रदूषण से परेशान दो नदियों के बीच होने वाले संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।

17. आपने अपने शहर में डिजाइनर बुटिक खोला है। उसके प्रचार के लिए 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

CBSE Class 09
Hindi B
Sample Paper 8 (2019-20)

Solution
Section A

1. i. सरकारी अथवा सार्वजनिक स्थानों पर राष्ट्रभाषा का अशुद्ध प्रयोग देखने को मिलता है।
   ii. राष्ट्रभाषा के विकास के लिए सरकार और जनता द्वारा जो प्रयत्न किए गए हैं, उन्हें हम किसी भी प्रकार से संतोषजनक नहीं मान सकते।
   iii. हिन्दी में पत्र पर पता लिखते समय हम इस सोच में पड़ जाते हैं कि पत्र कहीं भटकता तो नहीं रहेगा।
   iv. संविधान लागू होने के पंद्रह वर्षों में हिन्दी को अंग्रेजी का स्थान ग्रहण करना था।
   v. अति + अंत।
   vi. 26 जनवरी 1950

Section B

2. i. स् + अं + त् + उ + ल् + अ + न् + अ
   ii. क् + अ + व् + इ + त् + आ
3. i. भंडार
   ii. संवाद
   iii. गूँगा
   iv. काँच

4. गिरफ़्तार, रोज़

5. i. लिपि + क
   ii. सोहना + आवना
   iii. घूमना + अक्कड़
6. I. i. स्वेच्छा
      ii. पूर्वोक्त
   II. i. तथा + एव
      ii. सम् + भाषण
7. i. भरत (दशरथ के पुत्र) तपस्वी थे।
   ii. इस बालक पर यह कहावत लागू होती है, 'होनहार बिरवान के होत चीकने पात।'
   iii. सुबह-सुबह कौवा काँव-काँव करने लगा।

Section C

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

   a. खरबूजे बेचने वाली बुढ़िया को रोता देखकर लेखक ने उसके दुख को महसूस किया। वह बुढ़िया के पास बैठकर अपने हृदय की अनुभूति प्रकट करना चाहता था, पर अपनी पोशाक के कारण चाहकर भी ऐसा न कर सका।

   b. इस प्रश्न द्वारा लेखक ने पाठकों को यह सोचने पर मजबूर किया है कि अच्छा अतिथि कौन होता है? वह, जो पहले से अपने आने की सूचना देकर आए और एक-दो दिन मेहमानी कराके विदा हो जाए न कि वह, जिसके आगमन के बाद मेज़बान वह सब सोचने को विवश हो जाए, जो इस पाठ का मेज़बान निरन्तर सोचता रहा। उफ! शब्द द्वारा मेज़बान की उकताहट को दिखाया गया है।

   c. पंजाब में फौजी शासन ने काफी आतंक मचाया। पंजाब के अधिकतर नेताओं को गिरफ्तार किया गया। उन्हें उम्र कैद की सजा देकर काला-पानी भेज दिया गया। 1919 में जलियाँवाला बाग में निर्दोष लोगों को गोलियों से भून दिया गया। 'ट्रिब्यून' के सम्पादक कालिनाथ राय को 10 साल की जेल की सजा दी गई।

   d. 'कीचड़ का काव्य' पाठ में वर्णित सुबह अन्य दिनों की सुबह जैसे ही थी। उसमें कुछ विशेष आकर्षण न था परंतु उत्तर दिशा में छाई लालिमा का सौंदर्य अद्भुत था। लाल रंग कुछ ज्यादा ही आकर्षक लग रहा था। पूरब की दिशा में अब तक कोई विशेष रंग न था। उत्तर दिशा में छाया यह सौंदर्य अधिक समय तक न टिक सका। देखते ही देखते लालिमा भी क्षीण होती गई। वहाँ के बादलों का रंग रूई की पूनी जैसा सफ़ेद हो गया और प्रतिदिन की भाँति दिन शुरू हो चुका था।

9. भारत में धर्म के कुछ ठेकेदार साधारण लोगों की बुद्धि को भ्रमित कर देते हैं वे कुछ सोच-समझ नहीं पाते। देश में धर्म की धूम है। धर्म के नाम पर उत्पात किए जाते हैं, जिद की जाती है, भोले-भाले लोगों को बेवकूफ़ बनाया जाता है। अपना आसन ऊँचा करने के लिए धूर्त लोग धर्म की आड़ लेते हैं। मूर्खा की बुद्धि पर परदा डालकर धर्म और ईमान के नाम पर स्वार्थसिद्ध करते हैं। जान देने और जान लेने को तैयार रहते हैं। इस प्रकार वे साधारण लोगों का दुरुपयोग कर शोषण करते हैं।

OR

शेरपा कुलियों में से एक की मृत्यु व चार के घायल होने की खबर सुन यह कथन कर्नल खुल्लर ने कहा। एवरेस्ट दुनियाँ की सबसे ऊँची चोटी है और इस पर चढ़ना कोई आसान काम नहीं है। इसलिए कर्नल खुल्लर ने अभिय सदस्यों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि महान् उद्देश्य की पूर्ति के लिए खतरों का सामना करना पड़ता है और मृत्यु को भी गले लगाना पड़ सकता है। इस तरह की परिस्थितियों का सहज भाव से सामना करना चाहिए। मृत्यु इस उद्देश्य के सामने छोटी है।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

    a. रहीम के अनुसार मनुष्य को अपने मन की व्यथा अपने मन में ही छिपाकर रखनी चाहिए। उसे किसी के सामने प्रकट नहीं करना चाहिए।

b. जब आदमी अच्छा कार्य करता है, दूसरों पर अपनी जान न्यौछावर करता है, दूसरों को संकट में फँसा देखकर उसकी मदद के लिए दौड़ा जाता है तथा धर्मगुरु बनकर दूसरों को मानवता की सेवा करने का उपदेश देता है तो इन परिस्थितियों में आदमी पीर बन जाता है।

c. भक्तों द्वारा सुखिया के पिता का अपमान और मारपीट करना उसकी संकीर्ण मानसिकता और अमानवीय व्यवहार का प्रतीक है। उनका ऐसा कार्य समाज की समरसता और सौहार्द नष्ट करने वाला है। इससे लोगों में तनाव उत्पन्न होता है। ऐसा व्यवहार सदैव निंदनीय होता है।

d. कवि को पुराने निशान इसलिए धोखा दे जाते हैं, क्योंकि कवि जहाँ रहता है वहाँ तेज़ गति से बदलाव हो रहा है। नित नए मकान बनते जा रहे हैं। खाली ज़मीन, गिरे मकान, जिन्हें वह सवेरे आते हुए देखते हैं, शाम तक वहाँ कुछ नया बन जाने से वे निशान नहीं मिल पाते हैं।

11. कवि कहता है कि जीवन पथ अनुकूल और प्रतिकूल दोनों प्रकार की परिस्थितियों से भरा हुआ है। यह संसार अग्नि से पूर्ण मार्ग के समान कठिन है और इस कठिन मार्ग का सबसे सुन्दर दृश्य कवि के अनुसार कठिनाइयों का सामना करते हुए आगे बढ़ना है। संघर्ष-पथ पर चलने पर उसकी (मनुष्य की) आँखों से आँसू बहते हैं, शरीर से पसीना निकलता है और खून बहता है, फिर भी वह इन सब की परवाह किए बिना निरन्तर परिश्रम करते हुए संघर्ष-पथ पर बढ़ता जाता है।

OR

कवि अपने आराध्य को याद करते हुए उनसे अपनी तुलना करता है, उनका प्रभु हर तरह से श्रेष्ठ है तथा उनके मन में निवास करता है - हे प्रभु आप चंदन तथा हम पानी हैं। आपकी सुगंध मेरे अंग-अंग में बसी है। आप बादल हैं, मैं मोर हूँ। जैसे घटा आने पर मोर नाचता है। मेरा मन भी आपके स्मरण से नाच उठता है। जैसे चकोर प्रेम से चाँद को देखता है वैसे ही मैं आपको देखता हूँ। प्रभु आप दीपक हैं तो मैं उसमें जलने वाली बाती हूँ। जिसकी ज्योति दिन-रात जलती रहती है। प्रभु आप मोती हो तो मैं माला का धागा हूँ। जैसे सोने और सुहागे का मिलन हो गया हो, प्रभु आप स्वामी हैं मैं आपका दास हूँ। मैं सदा आपकी भक्ति करता हूँ।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

a. लेखिका को एक मोटर दुर्घटना में आहत होकर कुछ दिन अस्पताल में रहना पड़ा था। लेखिका की अनुपस्थिति में गिल्लू का किसी काम में भी मन नहीं लगता था। यहाँ तक कि उसने अपना मनपसंद भोजन काजू खाना भी कम कर दिया था। वह हमेशा लेखिका का इंतजार करता रहता और किसी के भी आने की आहट सुनकर लेखिका के अस्पताल से लौट आने की उसकी उम्मीदें बढ़ जातीं। लेखिका के घर वापस आने के बाद गिल्लू तकिए पर सिरहाने बैठकर अपने नन्हें-नन्हें पंजों से लेखिका का सिर एवं बाल धीरे-धीरे सहलाता रहता था। लेखिका को उसकी उपस्थिति एक परिचारिका की उपस्थिति महसूस होती। इन्हीं कारणों से लेखिका ने गिल्लू के लिए परिचारिका शब्द का प्रयोग किया है।

b. अशिक्षित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की शिक्षा पर बल दिया जाए, अशिक्षित लोगों को भी लघु और कुटीर

उद्योग धन्धों द्वारा रोजगार से जोड़ा जाए। अपने अधिकार और कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया जाए तथा दंगों में कफ्यू लगाने पर श्रमिक वर्ग रोटी-रौजी के लिए मजबूर हो जाता है। वह धन्धा नहीं कर पाता। दंगों को रोकने के लिए सभी को सहृदयता एवं एकता की भावना मन में लानी होगी। आपस में जाति-भेद, भाई-चारे की भावना, सहयोग व प्रेम की भावना के लिए उनको जागरूक किया जाए।

c. पटेल को अंग्रेज सरकार ने कानून तोड़ने के अपराध में तीन माह की सजा सुनाई। पटेल दांडी मार्च कार्यक्रम के प्रमुख नेताओं में से थे। वे सक्रिय कार्यकर्ता थे। गिरफ्तारी के कारण उनका जन अभियान रुक गया था। अब यह काम आश्रमवासियों तथा गाँधी को करना था। इसलिए पटेल ने ऐसा कहा।

Section D

13. मनुष्य सामाजिक प्राणी है। परस्पर सहयोग उसके जीवन का महत्त्वपूर्ण अंग है। परस्पर सहयोग के अभाव में समाज का अस्तित्व ही नहीं रह जाता। व्यक्ति को पग-पग पर दूसरों के सहयोग और सहायता की आवश्यकता पड़ती है। व्यास जी ने कहा है-परहित साधन ही पुण्य है और दूसरों को कष्ट देना ही पाप है। परोपकार के समान दूसरा धर्म नहीं है। परोपकार का प्रत्यक्ष उदाहरण प्रकृति में देखने को मिलता है। मेघ दूसरों के लिए वर्षा करते हैं, वायु दूसरों के लिए चलती है तथा सरिता भी दूसरों की प्यास बुझाने के लिए बहती है। पुष्पअपनी सुगन्ध बिखेरकर, वृक्ष स्वयं धूप सहकर और पथिकों को छाया प्रदान करके हमें परोपकार की प्रेरणा देते प्रतीत होते हैं। परोपकार करने वाला मनुष्य पूज्य बन जाता है। परहित के कारण गाँधी जी ने गोलियाँ खाईं, सुकरात ने जहर पिया तथा राजा शिवि ने बाज के आक्रमण से भयभीत कबूतर की रक्षा के लिए अपने शरीर का माँस दिया, ऋषि दधीचि ने मानव कल्याण के लिए स्वेच्छा से अपनी अस्थियाँ दान करके सम्पूर्ण मानवता को वृत्रासुर के अत्याचारों से मुक्त कराया। बुद्ध, महावीर जैसे महापुरुषों ने तृप्त मानवता को परोपकार का पावन मार्ग दिखाया। पंचशील का सिद्धान्त भी परोपकार की ही देन है। अपने लिए तो पशु भी जी लेते हैं। परोपकार इसी कारण मानवीय वृत्ति है। मनुष्य की परिभाषा देते हुए कवि ने कहा है- वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए जिए।

OR

स्वामी विवेकानन्द ने अपने देश के नवयुवकों से कहा था-'मेरे नवयुवक मित्रो ! बलवान बनो। तुमको मेरी यह सलाह है। गीता के अभ्यास की अपेक्षा फुटबॉल खेलने के द्वारा तुम स्वर्ग के अधिक निकट पहुँच जाओगे।' इस कथन से स्पष्ट है कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास सम्भव है और शरीर को स्वस्थ तथा मजबूत बनाने के लिये खेल अनिवार्य है। मनोवैज्ञानिकों का मत है कि मनुष्य की खेलों में रुचि स्वाभाविक है। इसी कारण बच्चे खेलों में अधिक रुचि लेते हैं। पी. साइरन ने कहा है-"अच्छा स्वास्थ्य एवं अच्छी समझ जीवन के दो सर्वोत्तम वरदान हैं।" इन दोनों की प्राप्ति के लिए जीवन में खिलाड़ी को खिलाड़ी की भावना से खेल खेलना आवश्यक है। खेलने से शरीर को बल, माँसपेशियों को उभार, भूख को तीव्रता, आलस्यहीनता तथा मलादि को शुद्धता प्राप्त होती है। खेल खेलने से मनुष्य में संघर्ष करने की आदत आती है। जीवन की जय-पराजय को आनन्दपूर्ण ढंग से लेने की महत्त्वपूर्ण आदत खेल खेलने से ही आती है। खेल हमारा भरपूर मनोरंजन करते हैं। खिलाड़ी हो अथवा खेल-प्रेमी, दोनों को खेल के मैदान में एक अपूर्व आनन्द मिलता है।

14. 276-P,

पालम, दिल्ली-77
दिनांक 05.03.2019
पूज्य दीदी,
चरण स्पर्श।
यहाँ सब ठीक प्रकार से हैं। आशा है आप भी परिवार सहित कुशलपूर्वक होंगी। पता है दीदी, हमारे विद्यालय में आजकल सफाई अभियान चल रहा है। सभी कक्षाओं में नया पेंट किया गया है जिससे दीवारें काफ़ी साफ सुथरी एवं अच्छी लग रही हैं, मैंने व मेरी कक्षा के बच्चों के द्वारा पेंट के समय अपनी कक्षा की मेज कुर्सियों आदि को बाहर निकाला उनकी भी सफाई की गयी एवं उन्हें दुबारा कक्षा में रखकर अच्छी तरह व्यवस्थित कर दिया है। अब सफाई से कक्षाएँ काफी साफ व अच्छी लग रही हैं तथा अब कक्षा में मच्छर आदि भी नहीं हैं। इससे हम सभी बच्चों को सफाई के महत्त्व के बारे में पता चला है तथा अब हम लोग अपने कक्षाध्यापक के साथ थोड़ा-थोड़ा समय निकालकर विद्यालय के बाहर आस-पास की भी सफाई करते हैं तथा श्रमदान करते समय आस-पास की गन्दगी व कूड़े के ढेरों की सफाई करते हैं तथा वहाँ घास व खुशबूदार पौधे लगा देते हैं। जिससे विद्यालय के बाहर आस-पास भी काफ़ी साफ-सफाई रहती है व देखने में काफी अच्छी हरियाली नज़र आती है। अब कीटाणु समाप्त हो गए हैं तथा लोगों के स्वास्थ्य पर भी अच्छा प्रभाव पड़ रहा है और दीदी पता है हमारे विद्यालय का चयन जिले के आदर्श विद्यालय के रूप में भी हो गया है व हमारे विद्यालय का निरीक्षण करने आने वाले हमारे विद्यालय व आस-पास की गयी सफाई व हरियाली की प्रशंसा करते हैं।
अच्छा दीदी मेरा सभी को यथा योग्य अभिवादन कहिएगा।
आपका प्रिय भाई,
रोहित

OR

45/5, स्वरूप नगर
दिल्ली
दिनांक : 05 मार्च, 2019
प्रिय संजना
शुभाशीष,
तुम छात्रावास में रहती हो वहाँ कई प्रकार की छात्राएँ रहती हैं। अक्सर लड़कियाँ अपने बनाव श्रृंगार में समय व्यतीत किया करती हैं, क्योंकि प्रत्येक लड़की यही चाहती है कि वह अधिक से अधिक आकर्षक दिखाई दे, यह स्वाभाविक है पर सारा ध्यान इसी ओर केन्द्रित करना उचित नहीं है। स्वस्थ शरीर स्वयं ही आकर्षण का केन्द्र होता है। अतः तुम अपने को पूर्ण स्वस्थ दिखाने का प्रयास करो। यही तुम्हारा श्रृंगार होगा। शृंगार में समय मत बर्बाद करो। अपना अधिक समय पढ़ने-लिखने में लगाना ही तुम्हारे लिए उचित होगा। आशा है तुम मेरी बात पर गौर फरमाओगी।
तुम्हारी अपनी ही,
चंचल

15. i. यह गाँव के बाजार का दृश्य है।

ii. एक अधेड़ स्त्री खरबूजे बेच रही है।
iii. वह औरत दुखी प्रतीत होती है। वह घुटने पर सिर रखे रो रही है।
iv. लोग उस औरत को देख रहे हैं लेकिन कोई खरबूजे खरीद नहीं रहा है।
v. कुछ खरबूजे डलिया में रखे हैं व कुछ नीचे पड़े हैं।
vi. लोग उस औरत के बारे में तरह-तरह की बातें बना रहे हैं।

OR

i. यह गाँव का दृश्य है।
ii. सूरज डूब रहा है। शाम हो जाने पर किसान बैलों को लेकर घर लौट रहा है।
iii. एक आदमी डंडा कंधे पर रखकर गाय चरा रहा है।
iv. चारों ओर खेत व हरियाली नजर आ रही है।
v. गाँव के लोग भी 'छोटा परिवार सुखी परिवार' का महत्व समझने लगे हैं।
vi. इस परिवार के लोगों के चेहरे की मुस्कान इनकी खुशहाली की प्रतीक है।

16. शिक्षक- गोविन्द! आज का अख़बार पढ़ा तुमने।
गोविन्द- जी श्रीमान! किन्तु उसमें ऐसी क्या खबर थी?
शिक्षक- यानी तुमने ठीक से नहीं पढ़ा। उसमें आज हमारे शहर के विकास मॉडल को मंजूरी मिल गई है।
गोविन्द- जी श्रीमान ! मैंने पढ़ा! ये तो बहुत प्रसन्नता का विषय है अब हमारा शहर भी विकास के पथ पर अग्रसर होता हुआ दिखाई देगा। यहाँ भी चारों ओर हाइवे, मॉल और मल्टीप्लेक्स होंगे।
शिक्षक- ठीक कहा गोविन्द, बताओगे इससे हमारे शहर को क्या-क्या लाभ होंगे?
गोविन्द- शहर की सड़कों पर वाहनों का भार कम होगा, हमारी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, साथ ही शहरवासियों को मनोरंजन के साधन व अपनी आवश्यकताओं की सभी वस्तुएँ एक ही छत के नीचे आसानी से उपलब्ध होंगी।
शिक्षक- बिल्कुल ठीक गोविन्द, शाबाश।

OR

पहली नदी - क्या बात है बहन? आज बहुत दुःखी दिखाई दे रही हो।
दूसरी नदी - क्या बताऊँ? आजकल मेरा पानी पहले से भी अधिक प्रदूषित होता जा रहा है।
पहली नदी - सच कहा तुमने। लोग अपना कचरा नदियों में बहा देते हैं। अपने जानवरों को भी हमारे पानी में नहला कर पानी प्रदूषित कर रहे हैं।
दूसरी नदी - इतना ही नहीं कारखानों से निकलने वाले रासायनिक पदार्थ व नालों, सीवर आदि का पानी भी सीधे हमारे पानी में मिलाया जा रहा है।
पहली नदी - हम ही नहीं हमारे जल में रहने वाले जीव जन्तु, मछलियाँ आदि भी इस प्रदूषण से परेशान हैं।
दूसरी नदी - मनुष्य इतना स्वार्थी हो गया है कि अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए प्रकृति से खिलवाड़ कर रहा है।

पहली नदी - जल ही जीवन है जब तक मनुष्य इस बात को नहीं समझेगा, इसे जल प्रदूषण से मुक्ति सम्भव नहीं है।

17.

सम्पूर्ण कलेक्शनस बुटिक फॉर वुमेन

स्पेशलिस्ट

वैडिंग कलेक्शन

पार्टी कलेक्शन

- डिज़ाइनर कुर्तियाँ
- पार्टी वेयर सूट
- डिज़ाइनर साड़ी

कम दाम, उचित काम

समय पर काम पूरा करने की गारंटी

पता-

E- 43 मिन्टो रोड,

नई दिल्ली

फोन नं. 982112XXXX